

आशा बसु कवि

2596

ASHA ARCHIVES

आशा कृष्णाय
2596

ASHA ARCHIVES

वदमय । श्रीमन्मन्त्रस्य प्रमाणं
रुद्रसाक्षात् ॥ भगवन्मन्त्रस्य

दिया ॥ उँ वै नारि ॥ हँ यो नमनस ॥ ऊँ माः मूज्व ॥ ऊँ किं कया नस ॥ ऊँ
ऊँ चेस यानस ॥ रुठ ॥ धूनि वरुवा ना दिया ॥
उँ मन्नि प पौ इँः सर्व तु लागतु धातु विरु रिव न अरिव न अधि स्ति
न इँ ॥ रुठ ॥ उँ प्राप्ता गा का ताप्ति प्राप्ता धा प्रा क नि प्राप्ता इँ रुठः
आका का मा ना वाँ रुँ इँः कल्याण न वा म्मा ना ना स्वा प्रा नाप्ता इँ रु
ठः उँ ता न तु ता न ॥ स्वान तु नै त्याह

उँ ऊँ सर्वम था गर म दार्था गत्य त्रि ऊँ रुठ ॥ भि न वा ला द उ या
उँ ऊँ म हा मा याः स न सु गि न म ॥ स न सु गि या ॥ ॥ उँ आ द म ऊँ
स्वा दा ॥ मं ज श्री या ॥ ॥ उँ ग द ग ध यु गि य स्वा दा ॥ ग ध य गि या ॥
उँ सर्व व्रतः आर्या व प्रा कि र स्व आ ऊँ रुठ स्वा दा ॥ प्रा क ध न या ॥
उँ ऊँ म प्रा क वि ज या दः प्र भा द्य या सः य गि द म किं रुठ रुठ रुठ
स्वा दा ॥ श्री म हा स व न या ॥ उँ द ध क न या स्वा दा ॥ व र्ण ध न या ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नाग ॥ नाम कलि किन वन नय निरु वन नय काथा न कनि वासु सि किन
 वन मनि ना २ नैया नम ह्यु न मा न्य स सि हू ग कि वन ऊ ग ना था अरु य दा ना
 ॥ ॥ पि क्का गि व नि द पा न दे वं पु न मा मि वू रा म ना क्क व न दे वं २ सि द्वा जै गि
 व धू द ग य नि क र्म ना था हू व य गि वू दा म नि न न्ने द दे वां ॥ ना यि क र्म
 न वि का सि ग्ग धि या न वा म क र्म न ध ना हा थ २ उ क्क स म न्ने ना ग क्क

सुकः दानिद्रः खरुयहनना ॥ ३ ॥ ॐ ॐ ॐ रगवगिकायाः रगवगि
नमामि श्रीवृगमललोके नन्दवं २ नमामि श्रीनन्ददं वः स्वर्ग
मध्ययागलदं वः ॥ ॥ द ॥ ह मी द्वा प्रि स ग न क न ध वा अ नू ल न व
ली गी ली ग र ध नि या श्री अ मी ग र वी स ल्थ ग र ध नि या श्री लो के व
न स न ना ग नि ॥ ग र ॥ नाम क लि ॥ ॐ न व ल ग न य नि ह व न श्री का
यू ग के नि वा स र्थि ॐ न व ल मू नि ना २ न या ल म ह ल मा म्प स ॐ ह ग

कि न न ड ग र ना थ अ र य दा गा ॥ ६ ॥ ॐ लि ऊ ग र गि ग लि या ले अ व ग
न या न न द व प्र ह म मी वृ ग म ल लो के न न द वं २ सि धा ऊ गि व धू द ह य
नि क र्म ना या ह व य गि वू द म नि न न द दं वः ॥ २ ॥ न प्रि क म ल वि का
सि ग वी धि या न वा म क म ल द ल हा ॥ थ २ ॥ म स म न र ना ग कू ष्ट गः दा
नि द्रः खरुयहनना ॥ ३ ॥ ॐ ॐ ॐ रगवगिकायाः रगवगि नमामि
श्रीवृगमललोके नन्दवं २ नमामि श्रीनन्ददं वः स्वर्ग मध्यया

गालदेव॥ ४ ॥ द अ ह मि द पि स ग न क न ध ना अ नू ल न च न जि
ल ग ध नि या २ अ अ मि ना र व मि ल्य ग ग ध नि या अ ला कं ध न स न ना
ग मि ॥ ५ ॥ ना ग ॥ गु रु नि ॥ ३ लं गा र न स अ नि ग न नू ज्व रा २ ६ द
नी ल दू मि पि ग ल कं अ ॥ ६ ॥ उ ग न नू कं पा कि चा गु न द वि २ द दू मा
न वि दू वि ना स नि द वि ॥ २ ॥ न क न य नी पि नि नू द मा ला २ ख र्क
न गि क पा ल नि ला ल ना ॥ ३ ॥ व्या धु व म्म व स्तु प र्था लि ध २ ख

ध ल गो उ न स र्धा का ना ॥ ४ ॥ च न न स न न थि उं ग ना नू नी मा ना
२ र नी यि अ म ध व र्क गी न च नि ना ॥ ॥ ना ग ॥ ग्व अ गि ॥ वा म
प र्थ नः द हि न क न गि २ पा य ल ना पू न मू द मा ला वि रू पि ना ॥ ६ ॥
द वि ना व यि च क ऊ मि व ऊ ऊ गि नी २ पि नि नू द वि रू मि रू व
न य यि स्य ॥ २ ॥ का ल मृ त्क दू पि पा र ग न वी धि या २ ना ग दू ध मा
ह क न गि न रू दि ना ॥ ३ ॥ रू नू अ द वि वि रू व न ऊ न नि २

शुभेयाग्रदिविमुनस्वतावे॥ ४ ॥ गृष्टिसहाननायाः कनूनकद
विशभाकुमार्गदिविउक्कसुविगऊजा नी ॥ ॥ वाग॥ नलिग
नाग॥ रासायिदलकमनवधूकूसमसरामधूकनरुनुअलिना २
आविनूपाकुषर्तमूरवद्विमदनपालवापिगा॥ ५॥ व नमामिनैजा
त्माद्विऽयिरवनमागावच्छनाद्विथीमृशावृलि २ सयलसला
सनवादिगचन६॥ पुनराग्निमिडिवनप्रदागा॥ २ ॥ नब्रनव

नमिमिवचयननगनूवः अनग कू समयालिऊगवरध २ निख्यगं
गास्त्रानवागमनिथसकृणवदनं ॥ ३ ॥ अष्टरुनवत्रुष्टयगि
नीदविअनगदवासनकृणयाल २ अष्टमहाएयदूनिगनि
नर्नानूवअनकविधुनिनवानूय ॥ ४ ॥ विज्ववियापिगनूनि
दविअष्टयनिनऊनऊनिमव २ अरिमनुसखरुलदायनि
दविऊनऊनमभानूउरूपायसननागानि ॥ ॥

नागनिर्वेक ॥ कमलविकासिगसिगिलाखलः कूमदपियवर्ह
 समदं हा २ चतुल वदन कुवनयदलयप्रनप्रयकासिगा ॥ ॥
 नमामि २ श्री महा मरु श्री सकलगुननायाः सुलगुन २ कमगिदह
 नस्यनवलपदसर्वह हाननिधियानिगा ॥ ॥ प्रथमकनइय
 वरुधधुधुनमूदा नालिंग हा नृजिगा २ द्विगियत्रूकसधुनह
 प्रियहानस्कंध चतुर्थखप्रसधधना ॥ ॥

क
 हानिलकायमचाक्र हियाहदू स्वयूसूमा
 सफुस्वयूडाहलहानिगुनी थुगवाचानिल
 य १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वत्र लागत धातु वीर रिव त अरवी न अधिसि
 तं ई १ ह २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

ॐ श्री

ॐ अरि

ॐ नमो भगवते : सर्वत्र लामर धा तु वि र खि न अत्रि सि न
इ ह २ ॥ ॐ प्रा मा गा आ सा द मि प्रा मा धा मा के रि मा प्रा इ
ह नः आ का साः मा ना वा स्वा ज नी स्वा मा ना प्रा इ ह नः ॐ
ता न तु ता न स्वा हा

ॐ नमः श्री गुरु आ सा ॥ ॐ नमः श्री गुरु भय नमः ॥ ॥ ॐ नमः म म क र क र क र म
नमः म म क र क र क र क र द सा दा ॥ धा त ॥ ध म क र य दा उ धा द क र य के क र कि
दा त ॥ १ ॥ ॐ नमः श्री व क आ गी नी आ सा ॐ क र द मा ली ची य क र क र
द सा दा ॥ धा त ॥ कि य त द क र कि आ दा उ क यो त स ध य की स्वा न य
यः नाना म उ म स धा द या न नाना नाना उ म य द उ न नो त र क य उ न न र
व का य सा त ॥ २ ॥ ॐ श्री व क आ गी नी आ सा ॐ आ दि श्री ना दि श्री न म
सि द्धा त क र द क र कि नी सा की नि रु ग मा त्रः अ मा त्र क र द सा दा ॥ धा
त ॥ ३ ॥ ॐ श्री व क आ गी न के धा ग सा क ना स ॥ ३ ॥ ध र क र य या दा उ

वृक्षसदीस्यासीनाम ॥ ३ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ४ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ५ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ६ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ७ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ८ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ९ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ १० ॥

स्वादापिमाचनयकाश्याः सात्रययाय ॥ ५ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ६ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ७ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ८ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ९ ॥ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ १० ॥

विज्ञानमञ्जरीयदानसकृन्निश
वीज्ञानमञ्जरीयदानसकृन्निश

ASHA ARCHIVES

2596

ॐ जींजींजीं श्रीं रूट् ॥ महाकालायामनुत्थ ॥
ॐ गगलयमयनसखादा गगलयगिआमनुत्थ
ॐ धीवागिभ्रात्रायं रूट् मरुभीआमनुत्थ
ॐ आलयालाकभ्रात्रायं रूट् लाकभ्रात्रायामनुत्थ
ॐ श्रीवज्रददं वृकं रूट् खादा वृकसंखलया
ॐ रूट् खादा ॥ श्रीगमलयासुत्रमनुत्थ ॥ नासयिकायः दूधनं ॥

थमनुत्थासयिकायः न्यासयलत्रयथ ॥ ॐ सर्ववृद्धजाः
किं नीवज्रवर्षुनियवज्रवेलाचनियं रूट् रूट् खादा
वज्रवानादियामनुत्थासयिकायः न्यासदूधनं थम
नुत्थ ॥ ॐ वृवज्रचिन्मसमयं वेपान्वनयामनुत्थ
ॐ आवज्रचिन्मसमयं वत्ससखयामनुत्थः
न्यासयिकायः दूधनं ॥ ॥

ॐ जौवजत्रिगसमयकं अमिताभ्यामनुत्थः न्यास
 यिकायः दधनं थमनुत्थः ॐ जौवजत्रिगसमय
 कं अमायसिद्ध्यामनुत्थः न्यासयिकायः न्यासयलद
 धनं थ ॐ कवजत्रिगसमयकं अक्रायामनुत्थः
 थ न्यासययिकायः न्यासयलदधनं थ इना
 ॐ मदासादसुयमदनीवृकं ॥ सादसुयमदनीयाः मनुत्थः न्यासयी

ॐ नदधनं थ ॥

ॐ नमः सर्ववृद्धवाधिसत्वानां आः चतुष्टयवलीखादा
 अधमादा ॥ दृष्टद्वय ॥ मनुत्थः ॐ चतुष्टयमत्रि
 खादा चामलयुगिष्ठा मनुत्थः ॐ आः वज्रध्वजवः
 गिज्यादलिखादा ध्वजद्वय ॥ युगिष्ठा मनुत्थः
 ॐ आः वज्रकुरुवज्रयगाक अधिष्ठितेयखादा यगाय
 ॐ मधिनितिवजिधीमदायुगिभत्रकशमाकं कुरुखादा ॥ युगिष्ठा

नाथाथमनुत्थः ॥

हाययुजायायमनुध

ॐ अ० (६) यचधुति

असुलगीलजाजीक॥धमनुभिलदयवलसःकसयन
सकसंयय ॐ सर्ववृद्धताकिनियःवजवर्ध

नियःवजवृषाचनीयकुरुदखादा॥विश्याध्रियात्मा
सयिकार्यन्यात्रयःधमनु॥ ॐ अ० ४ महामायूनी

विश्यानाहीकुरुदखादा॥महामायूनीयामनुधःन्यासयिकार्यः

धमनु॥

ॐ श्री सादा॥रुवादा लयाःन्यासयिकार्यःन्याभयलत्रयमनु
ध॥इमासा॥ ॐ अ० सादा॥वृकायानेनासायाःन्यास

यिकार्यसकगांयाधमनु॥ ॐ श्रीगीकुरुद

॥धमलमनुगुवादा लया॥ ॐ अ० वजकः

सादा॥धमनुवजासनअकोर्यया॥ ॐ अ० ४ महाभिरवगीजीकुरुदखादा॥धमनुन्यासयिकार्यःदधमध

ॐ अ० ४ महाभिरवगीजीकुरुदखादा॥धमनुन्यासयिकार्यःदधमध

ॐ अ० ४ महाभिरवगीजीकुरुदखादा॥धमनुन्यासयिकार्यःदधमध

ॐ यिह दवजायकैरुद॥ दवजायामनुथ॥ ॥
ॐ सर्वगथागकयागभ्यत्रकै॥ थमनुःधर्मधनुवागि
सलयान्यासयिकायंथ॥ ॥ ॐ मात्रीयोमांकैसाः
हा॥ मात्रिवियाथमनुन्यासयिकायःन्यासदूधनथम
नु॥ ॥ ॐ यिभदीयन्नभवत्रीसर्वमालियसमनि
ॐ श्रीःमहामन्त्रानुसादनीकैरुदखाहा॥ थमनुन्याभत्रयःदूधनथ॥

कैरुदखाहा॥ थमनुयन्नभवलिया॥
ॐ मूलयवधीखाहा॥ थमनुमरुथीयाःन्यासयिकायः
न्यासदूधनयागथ॥ ॥ ॐ यरुमहायुहभ्रमि
समिविजयधीःखाहा॥ यहायालमिगायाथमनुन्यास
यिकाय॥ ॥ ॐ कैंडीरुगावनलानमकिवागिभ्यत्रमहा
ॐ सर्वगथागकःमहायोग्यभ्यत्रकैरुद॥ ॐ यरुतयान्याभयिकायःदूधन

वाचसर्वधर्मगगमलयलिशुद्धधर्मधामतुह्यनगदृशु॥धर्मधाम
 दुया॥ ॥ॐमहागगवजनागयसर्वसत्त्वानदा॥धर्मधामतुव
 समनुधःधितनयानिदधमनु॥ ॥ॐयीचुश्यहावर्कनीका
 तश्महावर्कनीधीत्रीवृद्धिवर्कनीसादा॥वज्रभलस्यनिसाधमनु
 न्याभयिकाययाग॥ ॥ॐकुत्रकल्लः॥काङ्कीः॥सादा॥कुक्रनाम
 उंभीवजसत्त्वतत्रकैरुदृसादा॥वज्रधलसाधमनुःन्याभयिकायः

सुधययासःन्यासयिकायःदधननडा॥ ॥ॐकुंसादा॥उंशु
 यूपमगादयसादा॥उंभीषविजयामनुधःन्यासयिकायदधन
 धमनु॥ ॥ॐदुवकावनीनमः॥सादा॥धमनुत्रुदत्रयुयान्या
 सयिकायःदधनधमनु॥ ॥ॐकुंजगत्यवभामकरीमभ
 नायनमः॥सादा॥धमत्रमनुहिमभनया॥ ॥ॐदुरु
 उंकींकींकींकींरुदृ॥महाकालयामनुधःशल॥

ॐ मादं भूमीयनमस्तुदा ॥ याभिका न्यासयिका यः दधनधमनु
जययाय ॥ २ ॥ उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥ धमनुमूलम
नुन्यासयिका यः दधनधमनु ॥ ३ ॥ कमत्राणि ॥
उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥ धमनुन्याभयिका यः दधनधमनु ॥
लूमधि ॥ ४ ॥ उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥ धमनुमूलमनुन्याभ
यिका यः दधनधमनु ॥ ५ ॥ उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥

धमनुन्याभयिका यः दधनधमनु ॥ यंत्रनदि ॥ ६ ॥ उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥ धमनुमूलमनुन्याभयिका यः दधनधमनु ॥ कदं
गया ॥ ७ ॥ उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥ धमनुमूलमनुन्याभयिका यः दधनधमनु ॥ लूमि ॥ ८ ॥ उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥ धमनुमूलमनुन्याभयिका यः दधनधमनु ॥
॥ उंदरुट्कोमायेनमस्तुदा ॥ धमनुमूलमनुन्याभयिका यः दधनधमनु ॥

न्यासयिकायः दूधनं ॥

॥ ॐ कदा कदा गत्यानाम कदाहि

नवीकस्याः (गुप्यवस्य दा ॥ न्यासलत्रय ॥

॥ ॐ सर्वं कथाग

नः सदा आ (गम्यलक्ष्म ॥ भालस ॥ ॐ वांकदं नमस्यादा ॥ नरु

स ॥ ॐ आक्ष्म ॥ नृगलस ॥ दव अ व गाल सा वि कथनं सकृत् ॥

ॐ आवजक्ष्म ॥ न्यासयिकायः न्यास दूधनं ॥ दवा प्रवसात्रया ॥

ॐ वजधर्मः ॥ ॐ ॥ हना हनूलाक स्वप्नया न्यासयिकायः दूधनीध
मन्त्र ॥

ॐ गा प्रयुगा प्रसादा ॥ न्यासयिकायः न्यासः त्रयं धः नात्रायामन्त्र

॥ ॐ वागिधर्म ॥ मन्त्र श्रीयाः मन्त्र मन्त्र ॥

ॐ ॐ सर्ववृद्धता किनीयक्ष्म ॥ धमन्त्रः विद्याधर्मिया

ॐ वजधर्म ॥ यद्रादयः मन्त्र मन्त्र ॥

ॐ धा न चन्द्रक्ष्म ॥ यत्तित्रिंशत् वयामन्त्र

ॐ ॐ ॥ प्रसादा ॥ मदायवः मन्त्रः अकिर्षुयीः ॐ

ॐ स्वस्ति स्वाहा ॥ कृमान्द ॐ या मकु
 ॐ सिंहास्याय सिंरु ॥ सिंघ्या
 ॐ नमः ॐ सिद्धिना ॐ ॐ गायकैरु ॐ स्वाहा ॥ नार्क ॐ त्रया मकु
 ॐ श्री ॐ ॐ कच ॐ गयय ॐ ॐ रु ॐ स्वाहा ॥ रगवकिया ॥ न्यासयिका
 ॐ चंद्रमहा ॐ गवम ॐ गगद ॐ मकस ॐ मवव ॐ य ॐ मसाधा ॥
 य ॐ रु ॐ ॥ धमकु सवसाधनयाय मकु ध

गोविन्दाय नमः
 ॐ नमः

मः ॐ ॐ ॐ ॐ

दीवजवागदीहन ॐ धनमकिदवस्याः सर्वदृष्टान् निर्गदः
 वधनः भा ॐ चर्नै क ॐ रु ॐ ॥ धमकु वज विनासिनियाः ॐ ॐ
 कया ग ॐ या च ॐ या यगु मकु
 ॐ श्रीमसिद्धि ॐ रु ॐ स्वाहा ॥ आर्ग ॐ वत्रया मकु ध ॐ न्यासयिका यी
 नध ॐ गगया विजधन ॐ ॥ ॐ वजसत्त ॐ ॥ नृगप्रस ॥ ॐ वज ॐ रु ॐ ॥
 कयानस ॥ ॐ वजधर्मदी ॥ कथूस ॥ ॐ वज ॐ रु ॐ ॥ ज्ञासस ॥ ॐ व

ॐ ॐ ॐ ॐ

अशाषत्र॥ कुरु॥ उवज दीयदी॥ मिषा नियास॥ उवज तन ग्रा
यात्रि नियासी॥ उवज कर्म जू॥ यालि नियास॥ उ॥ कयात्रस॥ जू
नूगत्रस॥ हं॥ नरुस॥ धूमि गथा गमयाग॥ विजथन वनना के याग॥ न
थन॥ लाके सत्रया॥ जूगन्यास॥ उ॥ जयाय हं॥ मित्रमि॥ उ॥ विजयाय
हं॥ क॥ ६०॥ उ॥ क॥ जय विजयाय हं॥ हृदी॥ उ॥ क॥ वनदाय हं॥ नारु॥ उ॥
क॥ जूरययदाय हं॥ याददय॥ उ॥ म॥ क॥ य॥ मित्रमि॥ उ॥ मि॥ वि॥ ग॥ क॥

हं॥ मि॥ क॥ य॥ उ॥ वजया॥ हं॥ मि॥ क॥ य॥ उ॥ जग॥ हं॥ वा॥ हं॥ उ॥
लाके सत्रया॥ मि॥ क॥ य॥ म॥ क॥ धा॥ उ॥ हृदय॥ उ॥ सर्वनिव॥ वि॥
शिरु॥ मि॥ क॥ य॥ उ॥ सम॥ क॥ य॥ हं॥ सवा॥ क॥ य॥ उ॥ क॥ जि॥ ग॥ य॥ हं॥
ववा॥ हं॥ उ॥ क॥ ज॥ जि॥ ग॥ य॥ हं॥ वामवा॥ हं॥ उ॥ क॥ सा॥ न॥ स॥ न्य॥ यु॥ म॥ हं॥ ना॥ य॥ हं॥
म॥ उ॥ क॥ ज॥ काल॥ म॥ य॥ स॥ म॥ ना॥ य॥ हं॥ हृदय॥ उ॥ क॥ धन॥ दा॥ य॥ हं॥
सवा॥ ज॥ न॥ उ॥ क॥ व॥ स॥ ध॥ ना॥ य॥ हं॥ वामवा॥ न॥ उ॥ ज॥ मि॥ ता॥ ना॥ य॥ हं॥ य॥
ज॥ ज॥ य॥ मि॥